नईदुनिया

ईरान का होर्मुज में अमेरिकी सेलड्रोन जहाज पर हमला, हूती के मोचा पर कब्जे से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद चिंतित

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) का कहना है कि उसकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका के सेलड्रोन टाइप के बिना चालक वाले जहाज पर हमला उसके इरादों को विफल कर दिया। इस बीच ईरान के प्रबल समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के अहम शहर मोचा पर कब्जा कर लिया है। हूती के इस कदम से चिंतित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने यमन में एक बैठक की है।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड आपरेशंस सेंटर का कहना है कि उसे ओमान के तट के पास दो जहाजों पर प्रोजेक्टाइल (मिसाइल या राकेट जैसे हथियार) लगने की सूचना मिली है। उधर, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के अहम शहर मोचा पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही हूती ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों में से एक रणनीतिक रूप से अहम बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इस कब्जे के आलोक में यमन में एक बैठक की है। संयुक्त राष्ट्र में यमन सरकार के प्रतिनिधि ने कहा कि क्षेत्र में पड़ोसी देशों और नागरिकों के खिलाफ हूती आतंकवादी समूह की आक्रामकता बढ़ गई है। सऊदी अरब के संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि, अब्दुल अजीज अल-वासिल ने कहा कि उनका देश हूती के हमलों को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर अपनी सुरक्षा की रक्षा करेगा।

पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि ने कहा कि यमन में बढ़ते संघर्ष के व्यापक क्षेत्र के लिए संभावित रूप से दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने त्वरित राजनयिक समाधान का आग्रह किया। इसके बाद ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया। उसने कहा कि यमन को दबाव, डराने-धमकाने और बेरहम घेराबंदी से मुक्त होकर सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार है। दुनिया को उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान करना चाहिए।ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम में प्रसारित मंत्रालय के बयान में कहा गया कि लगातार घेराबंदी और सैन्य मदद से यमन से जुड़े मुद्दों का समाधान नहीं होगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ईरान, यमन के हालात के संबंध में कूटनीतिक प्रयास करने के लिए तैयार है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान मध्यावधि चुनाव को प्रभावित करने के लिए बेताब है।

न्यूज ब्रीफ

म्यूजियम से गायब हुआ विलेना का 3 हजार साल पुराना खजाना

मैड्रिड। पुरातत्वविदों की स्पेन के विलेना शहर में ट्रेजर आफ विलेना की चोरी ने चिंता बढ़ा दी है। चोर कुछ ही मिनटों में म्यूजियम से कांस्य युग की करीब 3,000 साल पुरानी ऐतिहासिक धरोहर के कई हिस्से लेकर फरार हो गए। वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी चिंता यही है कि ऐतिहासिक महत्व की इन वस्तुओं को नुकसान पहुंचने से पहले बरामद किया जा सके। घटना सुबह करीब 5:16 बजे शुरू हुई। पहले विलेना के एक स्पोर्ट्स सेंटर का अलार्म बजा। पुलिस वहां पहुंचकर जांच में जुटी ही थी कि करीब दो किलोमीटर दूर स्थित विलेना म्यूजियम में भी अलार्म बज उठा। पुलिस के म्यूजियम पहुंचने तक चोर वारदात को अंजाम देकर निकल चुके थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि स्पोर्ट्स सेंटर का अलार्म पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए जानबूझकर सक्रिय किया गया था। यह खजाना वर्ष 1963 में पुरातात्विक खुदाई के दौरान मिला था। इसमें करीब 10 किलोग्राम सोना, चांदी के बर्तन और अंबर से बने आभूषण शामिल हैं। हालांकि, इसकी सबसे असाधारण खासियत इसमें मौजूद लोहे की वस्तुएं हैं। वर्ष 2023 में एक शोध से पता चला था कि इनमें इस्तेमाल किया गया लोहा धरती का सामान्य लोहा नहीं, बल्कि उल्कापिंड से आया था। यानी कांस्य युग के लोगों ने करीब 3,000 साल पहले अंतरिक्ष से धरती पर आए लोहे का इस्तेमाल आभूषण बनाने में किया था। चोरों ने सोने और दूसरी कीमती वस्तुओं के साथ एक बहुमूल्य धातु की वस्तु भी उठा ली, लेकिन एक साधारण और जंग लगी दिखने वाली लोहे की कड़ी को वहीं छोड़ दिया। यही कड़ी वैज्ञानिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि इसमें उल्कापिंड से प्राप्त लोहा इस्तेमाल हुआ है।

दुनिया में 10 सेंट के छोटे से सिक्के ने मचा दिया तहलका

न्यूर्याक। अमेरिका में 10 सेंट का एक ऐतिहासिक सिक्का 11.81 करोड़ में रुपए में बिका। खास बात यह है कि दुनिया में अब यह सिक्के मात्र 9 ही बचे हैं। दुर्लभ सिक्कों की दुनिया में छोटे से 10 सेंट के सिक्के ने तहलका मचा दिया है। 1894 में ढाला गया बेहद दुर्लभ एस-डाइमसिक्का, जिसे बारबर डाइम भी कहा जाता है, हाल ही में 12.5 लाख डालर यानी करीब 11.81 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ। एक सितंबर को स्टैक्स बोवर्स गैलरीज की नीलामी में पेश किए गए इस सिक्के के लिए कलेक्टर्स के बीच जबरदस्त होड़ देखने को मिली। खास बात यह है कि यह सिक्का अब तक केवल चार बार नीलामी में पेश किया गया है। इस सिक्के की दुर्लभता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 1894 में ऐसे सिर्फ 24 सिक्के ढाले गए थे और अब पूरी दुनिया में इनमें से केवल नौ सिक्के ही बचे हैं। इसे अमेरिका के 100 महानतम सिक्कों की एक प्रमुख गाइड में चौथा स्थान भी दिया गया है। सिक्के को यूनाइटेड स्टेट्स ब्यूरो आफ द मिंट के चीफ एन्ग्रेवर चार्ल्स ई. बारबर ने डिजाइन किया था। उन्हीं के नाम पर इसे बारबर डाइम कहा जाता है।

कांगो में लगी आग में 27 बच्चों की मौत, दो स्कूल, 300 घर राख

किंशासा (कांगो)। अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में स्थित बुकावु शहर में लगी आग में कम से कम 27 बच्चों (19 लड़कियां और 8 लड़के) की मौत हो गई । आग में 300 घर और दो स्कूल राख हो गए। सुद-किवु प्रांत की राजधानी बुकावु पर रवांडा की सेना और उसके एम23 मिलिशिया का कब्जा है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की आधिकारिक सरकारी समाचार एजेंसी एजेंस कांगोलीज डी प्रेसे (एसीपी) की 10 सितंबर को प्रसारित रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एसीपी ने कहा कि अस्पताल और स्कूल के सूत्रों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, 29 लोग घायल भी हुए हैं। इनमें से 17 का इलाज कदुतु जनरल हास्पिटल में और 12 का कदुतु प्रोविंशियल जनरल रेफरल हास्पिटल में चल रहा है। स्कूल के सूत्रों के अनुसार, 300 से ज्यादा घरों में आग लगा दी गई। दो स्कूल - बागीरा कम्यून में ईपी मोसाला और कदुतु कम्यून में ईपी नोंगों भी प्रभावित हुए हैं। आग कैसे लगी, इसके सही कारणों का तुरंत पता नहीं चल सका।

नेपाल में बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण के लिए 7.23 लाख करोड़ रुपये की जरूरत का अनुमान

काठमांडू

पिछले माह 26 अगस्त को तिब्बत से भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए 7.23 लाख करोड़ नेपाली रुपये की जरूरत होने का अनुमान लगाया गया है। सरकार की रैपिड डैमेज एंड नीड्स असेसमेंट (आडीएनए) रिपोर्ट के अनुसार, भोटेकोशी बाढ़ से क्षतिग्रस्त भौतिक बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए 7 खरब 23 अरब 31 करोड़ 52 लाख रुपये की आवश्यकता होगी।

अब तक 1,377 लोगों की जान ले चुकी इस विनाशकारी बाढ़ ने रसुवा, नुवाकोट और धादिंग समेत कई क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। बाढ़ में लोगों के घर, खेत, कारोबार, सड़कें, पुल, ड्राई पोर्ट, मालवाहक कंटेनर और सीमा नाके पर पहुंचे वाहन तक बह गए। राष्ट्रीय योजना आयोग और राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण समेत विभिन्न निकायों की संयुक्त तकनीकी टीम ने यह प्रारंभिक आकलन तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित बुनियादी ढांचा क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए 4 खरब 3 अरब 57 करोड़ 19 लाख रुपये की जरूरत होगी, जो कुल पुनरुद्धार आवश्यकता का करीब 75 प्रतिशत है। ऊर्जा क्षेत्र को सबसे ज्यादा नुकसान: बाढ़ से ऊर्जा और सड़क बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है। 759 मेगावाट क्षमता वाली 13 जलविद्युत परियोजनाएं और 24 मेगावाट क्षमता के 5 सौर संयंत्र प्रभावित हुए हैं। ऊर्जा और ग्रिड प्रणाली के पुनरुद्धार के लिए अकेले 3 खरब 90 अरब 62 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपये की आवश्यकता होने का अनुमान है। इसी तरह 69 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। 33 मोटरेबल पुल बह गए, जबकि चार पुलों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के 64 झूला पुलों में से 53 क्षतिग्रस्त हुए हैं। पूरे परिवहन बुनियादी ढांचे के पुनरुद्धार के लिए 73 अरब 34 करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपये की जरूरत होगी। 7,570 निजी घर क्षतिग्रस्त: बाढ़ ने सामाजिक और उत्पादन क्षेत्रों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन में 7,570 निजी घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा 48 सरकारी भवन, 18 स्कूल, 7 स्वास्थ्य संस्थान और 30 सांस्कृतिक विरासत स्थल प्रभावित

हुए हैं। इन क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए 1 खरब 3 अरब 54 करोड़ 99 लाख रुपये की जरूरत होगी। व्यापार, व्यवसाय, बैंकिंग और कृषि समेत उत्पादक क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए 50 अरब 77 करोड़ 49 लाख रुपये की आवश्यकता होने का अनुमान है। इस क्षेत्र में 1,806 हेक्टेयर कृषि फसल, 17 बैंक शाखाएं और 4,800 व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं। पांच जिलों के 15 प्रभावित स्थानीय निकायों में से केवल नुवाकोट के विदुर नगरपालिका क्षेत्र में 3,026 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। रिपोर्ट में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और नदी प्रबंधन के लिए 94 अरब 75 करोड़ 31 लाख रुपये, जबकि कीचड़ और मलबा प्रबंधन के लिए 51 करोड़ 54 लाख रुपये की जरूरत बताई गई है। दो चरण में होगा पुनर्निर्माण: रिपोर्ट के अनुसार पुनर्निर्माण को दो चरणों में बांटा गया है। अगले छह महीनों में तत्काल राहत और अल्पकालीन पुनर्निर्माण के लिए 8 अरब 73 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। वहीं दीर्घकालीन पुनर्निर्माण के लिए 7 खरब 14 अरब 58 करोड़ 2 लाख रुपये की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण के वरिष्ठ डिविजनल इंजीनियर और समिति के सदस्य सुशील कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि संबंधित मंत्रालयों, विभागों और निकायों से आंकड़े और विवरण जुटाकर उनका विश्लेषण किया गया है। इसके आधार पर नुकसान और पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की गई है।

पीडीएनए प्रक्रिया शुरू, तीन महीने में रिपोर्ट आने की उम्मीद: सरकार ने आपदा के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्स्थापना के लिए पोस्ट-डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। राष्ट्रीय योजना आयोग ने इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ा दी है। आयोग के प्रवक्ता हरिशरण पुडासैनी के अनुसार, करीब तीन महीने में पीडीएनए रिपोर्ट तैयार हो सकती है। फिलहाल आयोग प्रश्नावली तैयार करने और फील्ड में जाकर विस्तृत अध्ययन करने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण की ओर से प्रारंभिक चरण का रैपिड डैमेज एंड लास असेसमेंट पूरा कर रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। अब उसी के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

किस क्षेत्र के लिए कितनी राशि चाहिए

- ऊर्जा और ग्रिड प्रणाली: 3 खरब 90 अरब 62 करोड़ 30 लाख 40 हजार रुपये।
- परिवहन बुनियादी ढांचा: 73 अरब 34 करोड़ 29 लाख 60 हजार रुपये।
- निजी घर, सार्वजनिक भवन, स्कूल, स्वास्थ्य संस्थान और सांस्कृतिक विरासत: 1 खरब 3 अरब 54 करोड़ 99 लाख रुपये।
- व्यापार, व्यवसाय, बैंक और कृषि सहित उत्पादक क्षेत्र: 50 अरब 77 करोड़ 49 लाख रुपये।
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और नदी प्रबंधन: 94 अरब 75 करोड़ 31 लाख रुपये।
- कीचड़ और मलबा प्रबंधन : 51 करोड़ 54 लाख रुपये।

भारतीय मूल के दंपति ने टेक्सास यूनिवर्सिटी को दिया दो करोड़ डालर का दान

इस राशि से संस्थान में एआई और एडवांस्ड एनालिटिक्स और शोध को मिलेगा बढ़ावा

न्यूयार्क

भारतीय मूल के एक दंपति ने टेक्सास स्थित अपने पूर्व कालेज को दो करोड़ अमेरिकी डालर का दान कर दिए। इस राशि से संस्थान में एआई और एडवांस्ड एनालिटिक्स के क्षेत्र में शिक्षा और शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। अनुराधा और विकास सिन्हा ने नार्थ टेक्सास विश्वविद्यालय (यूएनटी) को दो करोड़ डालर का दान दिया है।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक इस राशि का इसतेमाल एआई और एडवांस्ड एनालिटिक्स पर ध्यान केंद्रित करते हुए छात्रों और शिक्षकों के लिए नए अवसर पैदा करने में किया जाएगा। विश्वविद्यालय इस दान से अनुराधा एंड विकास सिन्हा कालेज आफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड एडवांस्ड एनालिटिक्स स्थापित करेगा।

यह कालेज एआई, इंटेलिजेंट सिस्टम और डेटा एनालिटिक्स पर केंद्रित शैक्षणिक एवं शोध केंद्र के रूप में काम करेगा। यूएनटी में सिन्हा दंपति का निवेश और विश्वविद्यालय से उनका जुड़ाव लगातार बढ़ा है। 2024 में उन्होंने दान दिया था जिससे अनुराधा एंड विकास सिन्हा डिपार्टमेंट आफ डेटा साइंस की स्थापना की गई थी। इसके साथ छात्रवृत्ति, शिक्षकों, शोध और विशेष पहलों के लिए भी वित्त की व्यवस्था की गई थी। इसके एक साल बाद उन्होंने एक और बड़ा योगदान दिया जिससे सिन्हा इनोवेशन लैब फार डेटा साइंस की स्थापना की गई। विकास सिन्हा ने कहा कि शिक्षा ने हमारे लिए अवसरों के दरवाजे खोले हैं और हम चाहते हैं कि ये दरवाजे दूसरों के लिए भी खुले रहें।

उन्होंने कहा कि इस बात का एक बड़ा कारण यह है कि अनु और मुझे इस बात पर बहुत भरोसा है कि यूएनटी छात्रों के लिए क्या कुछ मुमकिन बना सकता है जिसमें वे छात्र भी शामिल हैं जो शायद दूसरे देशों से वही महत्वाकांक्षा और शिक्षा में वही विश्वास लेकर यहां आते हैं, जो कभी हमारे मन में था।

विकास सिन्हा ने कहा कि हमारे लिए यह दान उस अवसर को आगे बढ़ाने और यह स्वीकार करने के बारे में है कि अप्रवासी केवल अमेरिकी सपने में भागीदार नहीं होते, बल्कि वे उसे साकार करने में भी योगदान देते हैं।

बलोच लिबरेशन आर्मी ने जियारत क्रास हमले का वीडियो जारी किया

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र संगठन बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने तीन सितंबर को पशिन के जियारत क्रास में पाकिस्तान की सेना और एक निर्माण कंपनी पर किए गए हमलों का वीडियो अपने आफिशियल चैनल हुकल पर जारी किया है। वीडियो के शुरुआती दृश्य में बीएलए की महत्वपूर्ण शाखा फतह स्क्वायड के कमांडरों को सैन्य अनुसासन के साथ दिखाया गया है। सभी कमांडरों को अत्याधुनिक हथियारों और खास यूनिफार्म में दिखाया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की 10 सितंबर को प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, सात मिनट के इस वीडियो में, इन कमांडरों को भारी हथियारों और राकेट से पाकिस्तान की सेना के काफिले को निशाना बनाते देखा जा सकता है। वीडियो में सेनाके जवानों के शव भी दिखाए गए हैं। बीएलए के अनुसार,तीन सितंबर को फतेह स्क्वायड ने जियारत क्रास पशिन में पाकिस्तान की सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस दौरान किला सैफुल्लाह स्काउट्स और एफसी 134 विंग की चार गाड़ियों पर हमला किया गया। हमले में आर्मी के एक ट्रक समेत दो गाड़ियां तबाह हो गईं। बीएलए के मुताबिक, हमले में 18 पाकिस्तानी आर्मी के जवान मारे गए और उनके सारे हथियार जब्त कर लिए गए।

व्हाइट हाउस की चेतावनी, जनवरी 2029 तक जारी रह सकती है ईरान से जंग

ट्रंप कर रहे इग्नोर, इसके उलट चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म होने की कर रहे बात

वाशिंगटन

ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सार्वजनिक दावे व्हाइट हाउस की आंतरिक रिपोर्ट से बिल्कुल अलग हैं। वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के शीर्ष सलाहकारों ने ट्रंप के सामने यह संभावना जताई है कि ईरान के साथ युद्ध उनके मौजूदा कार्यकाल के अंत यानी जनवरी 2029 तक जारी रह सकता है। वहीं, ट्रंप सार्वजनिक तौर पर दावा कर रहे हैं कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा।

रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने ट्रंप के साथ युद्ध के लंबे समय तक जारी रहने की संभावना पर चर्चा की है। रिपोर्ट के

मुताबिक ईरान अमेरिकी दबाव, नाकेबंदी और अन्य सैन्य उपायों के बावजूद पीछे हटने से इनकार कर सकता है। ऐसी स्थिति में संघर्ष जनवरी 2029 में ट्रंप के कार्यकाल के अंत तक जारी रह सकता है। व्हाइट हाउस के अंदर हुई इन चर्चाओं की तस्वीर ट्रंप के सार्वजनिक बयानों से बिल्कुल अलग है। ट्रंप ने दावा किया कि नवंबर के मध्यावधि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा, क्योंकि ईरान अब ज्यादा समय तक इसे जारी नहीं रख सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर युद्ध लंबे समय तक चलता है तो इससे अमेरिकी सैन्य संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है। इसके अलावा दुनिया के तेल बाजार में लंबे समय तक अस्थिरता और आपूर्ति में बाधा का खतरा भी पैदा हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पहले ही मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य तैनाती के कुछ हिस्सों को 2027 तक बढ़ा चुके हैं। पेंटागन की योजना क्षेत्र में कुछ एयर डिफेंस यूनिट्स को बिना किसी तय अंतिम तारीख के बनाए रखने की है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ईरान पर लंबे समय तक आर्थिक दबाव बनाए रखने की रणनीति का भी समर्थन कर रहे हैं। इसके उलट ट्रंप सार्वजनिक तौर पर युद्ध के जल्द खत्म होने का दावा कर रहे हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। उनके मुताबिक ईरान ऐसी स्थिति चाहता है जिसमें अमेरिका में कमजोर राजनीतिक नेतृत्व आए और उसे नजरअंदाज करे, जिससे वह परमाणु हथियार विकसित कर सके। उन्होंने कहा कि ईरान की मुख्य इच्छा परमाणु हथियार हासिल करना है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान के पास परमाणु हथियार आ गया तो पूरी दुनिया गंभीर संकट में पड़ जाएगी। ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका की कोशिश सिर्फ ईरान के परमाणु कार्यक्रम तक सीमित नहीं है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ सिर्फ परमाणु समझौते पर काम नहीं कर रहा है, बल्कि कई अन्य मुद्दे भी बातचीत की मेज पर होंगे। ट्रंप ने कहा कि परमाणु मुद्दे पर समझौता होने की संभावना 99.9 फीसदी है, लेकिन इसके अलावा भी कई अन्य मुद्दे चर्चा में शामिल होंगे। ईरान के साथ बातचीत को लेकर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका फिलहाल तेहरान के साथ बातचीत की सक्रिय तलाश नहीं कर रहा है। उन्होंने बातचीत की संभावना से पूरी तरह इनकार भी नहीं किया।

कराची विवि के प्रोफेसर साकी पर हमले का मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

कराची (पाकिस्तान)

कराची विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डा. मोहम्मद आरिफ खान साकी और उनके भतीजे पर कथित हमले और उन्हें बंधक बनाने के मामले में पुलिस ने मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान सैयद मोहम्मद कोनैन शाह के तौर पर की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शाह को जमानत मिलने के बावजूद गिरफ्तार किया गया। अंदेशा था कि वह शहर से भाग सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, सैयद मोहम्मद कोनैन शाह की गिरफ्तारी तब हुई जब सीनेट की आंतरिक मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष ने उसे पकड़ने में विफलता पर नाराजगी जताई थी। शाह ने मालिर की एक अतिरिक्त जिला और सत्र अदालत से अंतरिम जमानत हासिल की थी। अदालत ने उन्हें जांच में शामिल होने का निर्देश दिया था। यह मामला सफूराचौरंगी के पास हुई एक घटना से जुड़ा है। इस घटना में डा. साकी पर कथित तौर पर हमला किया गया था। यह हमला एक डबल कैबिन गाड़ी और उस आनलाइन टैक्सी की टक्कर के बाद हुआ। घटना के दौरान प्रोफेसर और उनके भतीजे को कथित तौर पर बंधक भी बनाया गया था।

अब उम्मीद है कि पुलिस जांच के हिस्से के तौर पर शाह से पूछताछ करेगी और घटना में उनकी कथित भूमिका का पता लगाएगी। पुलिस ने पता लगाया कि डा. साकी जिस गाड़ी में थे, उसे उनके भतीजे वहीदुर रहमान चला रहे थे। डा. साकी के अनुसार, डबल कैबिन गाड़ी पार्किंग क्षेत्र से बाहर आ रही थी, तभी उसके गार्ड ने टैक्सी को रुकने का इशारा किया। इसके बाद गाड़ी पीछे की ओर आई और टैक्सी से टकरा गई। प्रोफेसर ने कहा कि उन्होंने डबल-कैबिन गाड़ी में सवार लोगों से टक्कर से हुए नुकसान के लिए टैक्सी ड्राइवर को मुआवजा देने के लिए कहा। डा. साकी ने बताया कि इसके बाद होटल के मालिक का बेटा गाड़ी से बाहर निकला, दो गोलियां चलाईं और हवा में गोली चलाने से पहले पिस्तौल की बट से उन पर वार किया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें और उनके भतीजे को होटल ले जाया गया, जहां उन्हें कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने डा. साकी की शिकायत पर कोनैन और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में एक स्थानीय होटल के तीन कर्मचारियों को भी हिरासत में लिया और हमले में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने की कोशिश शुरू कर दी। घटना के बाद सिंध प्रांत के गृहमंत्री जिया-उल-हसन लंजार ने प्रोफेसर के साथ कथित दुर्व्यवहार और उन्हें अवैध रूप से बंधक बनाए जाने के मामले में एसएसपी (ईस्ट) से विस्तृत रिपोर्ट मांगी।